मंगलवार

30 जून 2026

- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 157
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

सरकारी दफ्तर में मंत्री का छापा, मिली शराब की बोतलें

◆मंत्री के छापे से मचा हड़कंप, गैरहाजिर मिले कई अफसर-कर्मचारी

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा ने बीते रोज जसपुर नगर पालिका परिषद का औचक निरीक्षण कर प्रशासनिक व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। निरीक्षण के दौरान कई अधिकारी और कर्मचारी बिना सूचना के अनुपस्थित मिले, जबकि कार्यालय परिसर में शराब की खाली बोतलें और मदिरा सेवन से जुड़ी सामग्री मिलने पर मंत्री ने कड़ी नाराजगी जताई और जांच के आदेश दे दिये है।

मंत्री ने उपस्थिति रजिस्टर की जांच कर अनुपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ तत्काल जांच कर नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यालयों में अनुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने साफ-सफाई, पेयजल, सड़क, प्रकाश व्यवस्था सहित नागरिक सुविधाओं की भी समीक्षा की और अधिकारियों को जनहित के सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने दोहराया

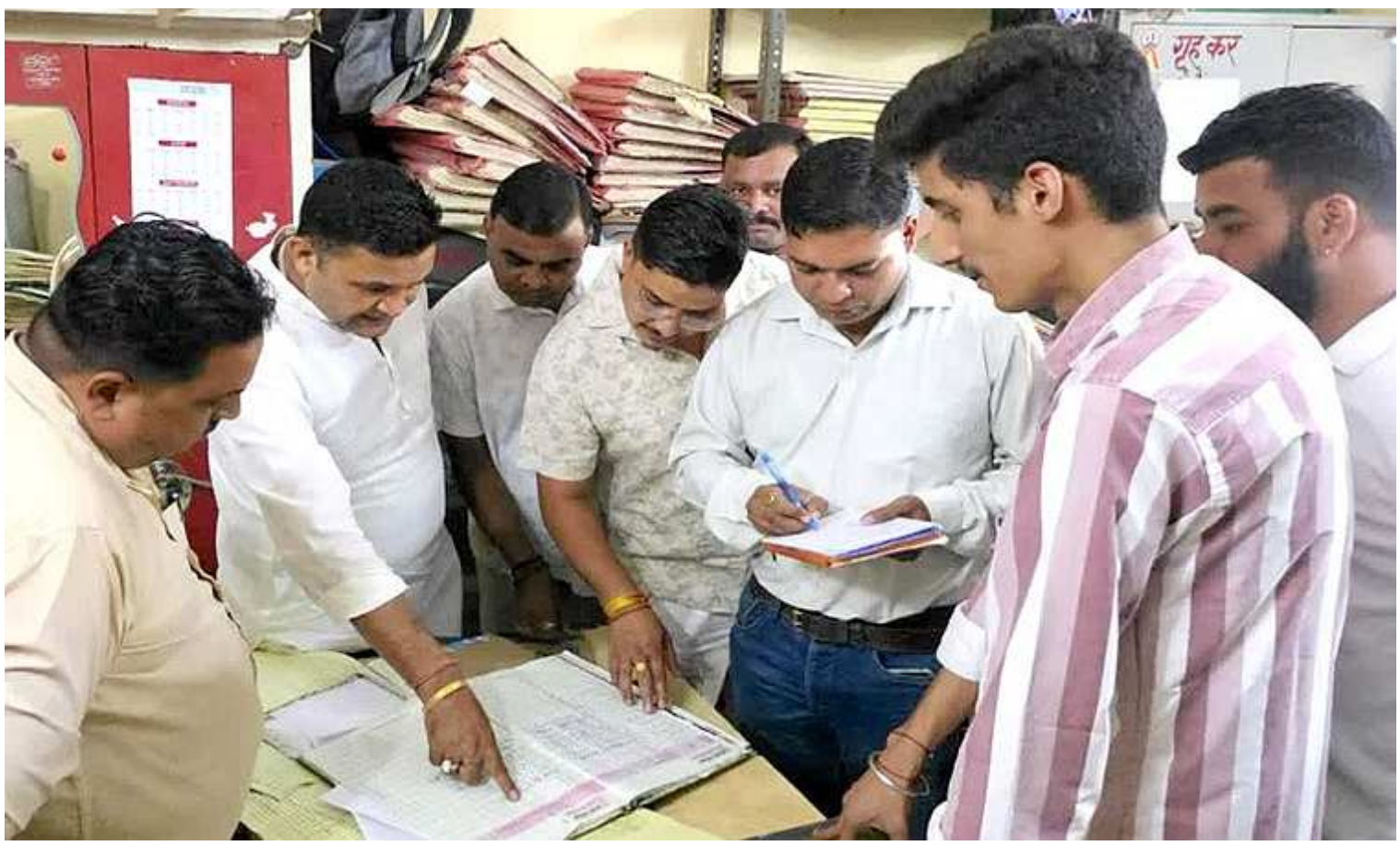

कि जनता को बेहतर सेवाएं देना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और लापरवाही करने वाले किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा।

नकली नोट छापने वाले तीन गिरफ्तार!

◆50 हजार रुपये के छपे जाली नोट, लैपटाप, प्रिंटर व अन्य उपकरण बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नकली नोट छापकर देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वाले संगठित गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से करीब 50 हजार रुपये के छपे जाली नोट, लैपटॉप, दो प्रिंटर, मोबाइल फोन तथा नकली नोट तैयार करने में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरण बरामद किए गये हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 27 जून 2026 को कोतवाली श्यामपुर पुलिस ने 52,500 के नकली नोटों के साथ तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया था। मामले की गहन विवेचना और पूछताछ के दौरान कई अहम सुराग मिले, जिनके आधार पर जांच आगे बढ़ाई गई। जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि कुछ लोग क्विड कार यूके 08 बीजी 6798 से नकली नोट छापने के उपकरण और तैयार जाली नोटों को ठिकाने लगाने के लिए बड़ापुर (बिजनौर) की ओर जा रहे हैं। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने लालढांग तिराहे पर घेराबंदी कर वाहन को रोक लिया और तलाशी के दौरान तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में उन्होने अपना नाम देवेन्द्र कुमार (31), निवासी सरदारपुर छांमली, थाना बड़ापुर, जिला बिजनौर (उत्तर प्रदेश), गुलजार अहमद (30), निवासी टांडा सिक्कावाला, थाना बड़ापुर, जिला बिजनौर (उत्तर प्रदेश)व शगुन जोशी (26), निवासी लालढांग, थाना श्यामपुर, जिला हरिद्वार बताया। बताया कि गिरोह का सदस्य गुलजार ऑनलाइन विशेष कागज मंगाता था। शगुन जोशी असली नोटों की फोटो लेकर सॉफ्टवेयर और एप की मदद से उनकी गुणवत्ता बढ़ाता था, ताकि प्रिंट हूबहू असली जैसा दिखाई दे।

वहीं देवेन्द्र ने बताया कि वह पहले भी गुलजार के साथ मिलकर बिजनौर के बड़ापुर क्षेत्र में करीब एक लाख रुपये के नकली नोट छाप चुका है, जिनमें से लगभग 60 हजार रुपये के नोट बाजार में चला दिए गए थे। इस सफलता के बाद गिरोह का लालच बढ़ा और उन्होंने अपने नेटवर्क में देवेन्द्र के जीजा शिवम को भी शामिल कर लिया। चारों मिलकर नकली नोट तैयार कर उन्हें बाजार में खपाने की साजिश रच रहे थे। पुलिस ने आरोपितों के पास से एक लैपटॉप व चार्जर, प्रिंटर, पांच मोबाइल फोन, 500 के चार असली नोट, 500 के नकली नोटों की 25 प्रिंटेड शीट (करीब 50 हजार मूल्य), गांधीजी के वॉटरमार्क वाली एक शीट बरामद की है।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है। साथ ही गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

दून वैली मेल

संपादकीय

सवाल जन भरोसे का

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे और दान की हजारों करोड़ की जो चोरी का मुद्दा इन दिनों चर्चाओं की केंद्र में है जिसमें हर रोज अब नए-नए खुलासे हो रहे हैं उसे लेकर मेरे जहन को जो सवाल लगातार मथ रहे हैं उनमें पहला सवाल यह है कि आज श्री राम की सेवा में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले संत महंत सत्येंद्र दास जीवित होते तो उन पर क्या गुजर रही होती तथा वह अपनी आस्था के आलम्ब भगवान श्री राम मंदिर के इन डकैतों पर अपनी क्या प्रतिक्रिया देते? मैं सोचता हूं प्रभु राम ने उन्हें इस दिन को देखने से पहले ही अपने श्री चरणों में स्थान देकर अच्छा ही किया। दूसरा सवाल मेरे मन में उन अहंकारी लोगों को लेकर भी है जिन्होंने श्री राम के भक्तों को सड़कों पर ढोल बजा बजा कर सालों साल खूब नचाया 'जो राम को लाए हैं, हम उनको लायेंगे। क्या उन्हें भी इस चोरी को लेकर थोड़ी बहुत शर्मिंदगी है या नहीं? शायद उनके लिए हया-शर्म जैसे शब्द बने ही नहीं हैं। इस खुलासे से अब यह भी साबित हो गया है कि वह चाहे कोई नेता हो या किसी संस्था के सर्वोच्च पद पर बैठा चंपत राय जैसा कोई व्यक्ति उनके गिरने की कोई सीमा नहीं होती है। ओउम नाथ पांडे की एक कविता है गिरो। गिरो। गिरो जो वर्तमान परिवेश पर एकदम खरी उतरती है जिसमें वह कहते हैं कि गिरो क्योंकि गिरने की अपरिमित संभावनाएं हैं। सत्ता में बैठे लोग जो बात करते थे राष्ट्रवाद की, जो बात करते थे विकसित राष्ट्र बनाने की, जो बात करते थे भारत को विश्व गुरु बनाने की वह उस हद तक गिर गए हैं कि उनके गिरने की कोई सीमा ही नहीं रह गई है। केंद्रीय सत्ता में बैठे एक राजस्थान के मंत्री जिनका नाम है मेघवाल अपने ही विभाग के किसानों को दी जाने वाली खीरे की सब्सिडी का 90 लाख खुद डकार जाते हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के द्वारा अपने 37 परिजनों के हजारों करोड़ की जमीन खरीद का मामला आता है तो वह इस खुलासे को सनातन का ही अपमान बता देते हैं। राम मंदिर से एक हजार करोड़ की चोरी हो जाती है और इसे इतने हल्के में लिया जाता है जैसे कहीं कुछ हुआ ही न हो। हैरान करने वाली बात यह है कि यह धर्म का जो धंधा 2019 में आए राम मंदिर निर्माण पर अदालत के फैसले के साथ ही शुरू हो गया था उसे केंद्र और उत्तर प्रदेश की सरकारे भला कैसे अनभिज्ञ हो सकती हैं। राम मंदिर के लिए एक जमीन को दो बार खरीदा जाना और सिर्फ 5 मिनट बाद ही ट्रस्ट को 14 करोड़ में बेचा जाना इस बात का सबूत है की आस्था के प्रतीक इस राम मंदिर निर्माण की ईंट ही उस भ्रष्टाचार के पत्थर से रखी गई थी जिसका आधा अधूरा सच अब सभी के सामने आ गया है। इसे लेकर अब लोग कह रहे हैं कि भाजपा और संघ के लोग कहीं मुंह दिखाने के काबिल नहीं बचे हैं? ऐसी स्थिति में सत्ता में बैठे कुछ लोगों को कुछ तो ऐसा करना ही चाहिए जिससे दूध का दूध और पानी का पानी हो सके। कहां जा रहा है कि जब चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी कैमरो से नजर जाती थी अगर यह सच है तो ऐसा नहीं कि वह पकड़े नहीं जा सकते जिन्होंने यह कुकृत्य किया है। इसे भी छोड़िए सरकार जो एसआईआर के जरिए पूरे देश से ढूंढ ढूंढ कर घुसपैठियों को बाहर निकालने का दावा करती है वह कम से कम 2019 में जब राम मंदिर पर न्यायालय का फैसला आया से लेकर 2025 तक जब प्राण प्रतिष्ठा हुई के दौरान अयोध्या में हुई जमीनों की रजिस्ट्रियों की जांच कर ले उसे पता चल सकेगा कि आखिर इस राम मंदिर निर्माण के कार्य में कितना बड़ा खेल हुआ है पीएमओ के अधिकारी नृपेंद्र मिश्रा इस चोरी नहीं डकैती बता रहे हैं तो यह बेवजह नहीं है। भाजपा और संघ के दामन पर लगा यह दाग कोई मामूली दाग नहीं है। इसकी बड़ी कीमत उन्हें चुकानी पड़ेगी। देश का जन विश्वास खो देने से बड़ा नुकसान और भला क्या हो सकता है। विश्व गुरु और महामानव की छवि को तार-तार करने वाले इस मुद्दे को चुप रहकर रफा-दफा नहीं किया जा सकता है क्योंकि इस मुद्दे से देश की जन भावनाएं और आस्था जुडी हुई है।

जानलेवा फायरिंग कांड में फरार एक और आरोपी गिरफ्तार!

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। ग्राम रणसुरा में हुए जानलेवा फायरिंग कांड में लगातार फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना के मास्टर माइंड व मुख्य आरोपी को पुलिस पूर्व में ही गिरफ्तार कर चुकी है। जानकारी के अनुसार बीती 14 मई को गुफरान पुत्र मुर्सलीन निवासी ग्राम रणसुरा द्वारा कोतवाली लक्सर में तहरीर देकर आरोप लगाया गया था कि विपक्षियों ने एक राय होकर उसके साथ मारपीट की तथा जान से मारने की नीयत से फायरिंग की। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गयी। घटना का मुख्य आरोपी एवं मास्टरमाइंड अनीश पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि अन्य आरोपी घटना के बाद से लगातार फरार चल रहे थे। फरार आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था तथा पुलिस की निगाहों से बचने का प्रयास कर रहा था। पुलिस टीमों द्वारा उसके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही थी। साथ ही न्यायालय के आदेश पर आरोपी को उद्घोषित अपराधी घोषित कराया गया तथा उसके गांव में ढोल-नगाड़ों के साथ मुनादी भी कराई गई। इसके बावजूद आरोपी कानून के शिकंजे से बच नहीं सका। पुलिस टीम ने सटीक गुप्त सूचना के आधार पर गांव रणसुरा क्षेत्र में दबिश देकर आरोपी जाहिद को हिरासत में लिया गया है। घटना में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है तथा उनकी गिरफ्तारी हेतु संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है।

वक्त से पहले चुनावी मोड में दल

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में भले ही विधानसभा चुनाव में अभी समय बाकी हो, लेकिन प्रदेश की राजनीति पूरी तरह 2027 के चुनावी रण के इर्द-गिर्द घूमने लगी है। सत्ता के गलियारों से लेकर गांव-गांव तक राजनीतिक चर्चाओं का केंद्र अब आगामी विधानसभा चुनाव बन चुका है। भाजपा, कांग्रेस, आप और उत्तराखंड क्रांति दल ने अपनी-अपनी रणनीतियों को धार देना शुरू कर दिया है। टिकट के दावेदार सक्रिय हो गए हैं, संगठनात्मक बैठकों का दौर तेज हो गया है और राजनीतिक दल नए सामाजिक समीकरण साधने में जुट गए हैं।

इस बार का चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन या सत्ता बचाने की लड़ाई नहीं होगा, बल्कि यह उत्तराखंड की राजनीतिक दिशा और विकास के मॉडल को भी तय करेगा। बेरोजगारी, पलायन, स्थानीय अस्मिता, भू-कानून, मूल निवास, शिक्षा, स्वास्थ्य और पहाड़ों में विकास जैसे मुद्दे चुनावी विमर्श के केंद्र में रहने की संभावना है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में भाजपा लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी का सपना देख रही है। यदि भाजपा ऐसा करने में सफल होती है तो वह उत्तराखंड के राजनीतिक इतिहास में नया अध्याय लिख देगी। भाजपा की रणनीति का केंद्र सरकार की योजनाओं, डबल इंजन सरकार, सड़क, रेल और हवाई कनेक्टिविटी, निवेश, धार्मिक पर्यटन और समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों पर रहेगा। पार्टी का मानना है कि पिछले वर्षों में बुनियादी ढांचे और निवेश के

●सत्ता के गलियारों से लेकर गांव की चौपालों तक चर्चाओं का केंद्र बना मिशन 2027
●संगठनात्मक बैठकों का दौर तेज, नए सामाजिक समीकरण साधने की कवायद शुरू
●भाजपा में हैट्रिक की चुनौती, कांग्रेस को वापसी की उम्मीद, आप और यूकेडी की सियासी जमीन की तलाश

क्षेत्र में हुए कार्य उसके लिए बड़ा चुनावी हथियार बन सकते हैं।

हालांकि भाजपा के सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं। प्रदेश में बेरोजगारी, भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं, पलायन और स्थानीय असंतोष जैसे मुद्दे विपक्ष को सरकार पर हमला करने का अवसर दे सकते हैं। इसके अलावा कई सीटों पर सत्ता विरोधी लहर और टिकट वितरण भी पार्टी के लिए चुनौती बन सकता है। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस इस बार चुनाव को पूरी तरह स्थानीय मुद्दों के इर्द-गिर्द ले जाना चाहती है। पार्टी का मानना है कि राज्य गठन के 27 वर्ष बाद भी उत्तराखंड आंदोलन के मूल उद्देश्य अधूरे हैं। कांग्रेस की रणनीति स्थानीय अस्मिता, जल-जंगल-जमीन, सशक्त भू-कानून, मूल निवास, बेरोजगारी, पलायन और युवाओं के अधिकार जैसे मुद्दों पर केंद्रित है। पार्टी यह संदेश देने की कोशिश कर रही है कि उत्तराखंड के संसाधनों पर पहला अधिकार यहां के लोगों का होना चाहिए। कांग्रेस का सबसे बड़ा दांव युवा मतदाता हैं। पार्टी बेरोजगारी और रोजगार के अवसरों की कमी को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी में है। इसके साथ ही ग्रामीण और पर्वतीय क्षेत्रों में बढ़ते पलायन को भी सरकार की विफलता के रूप में पेश किया जाएगा। हालांकि कांग्रेस के सामने भी चुनौतियां हैं। संगठनात्मक एकजुटता, गुटबाजी और नेतृत्व के बीच तालमेल बनाए रखना पार्टी के लिए सबसे बड़ी परीक्षा होगी।

आम आदमी पार्टी ने पिछले विधानसभा चुनाव में उत्तराखंड में बड़े दावे किए थे, लेकिन उसे अपेक्षित सफलता नहीं मिली। इसके बाद पार्टी का संगठन काफी हद तक कमजोर हुआ। इसके बावजूद आप शिक्षा, स्वास्थ्य, भ्रष्टाचार और रोजगार के मुद्दों के सहारे फिर से अपनी राजनीतिक जमीन तैयार करने में जुटी है। पार्टी शहरी क्षेत्रों, युवाओं और मध्यम वर्ग के बीच अपनी पैठ बनाने की कोशिश कर रही है। हालांकि प्रदेश में मजबूत संगठन और प्रभावी स्थानीय नेतृत्व की कमी उसके लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि आप कुछ सीटों पर

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

अधूरी 'आस' पर चुनावी 'बिसात'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही प्रदेश की राजनीति में मुद्दों की बिसात बिछनी शुरू हो गई है। विपक्षी कांग्रेस ने इस बार चुनावी मैदान में स्थानीय अस्मिता, जल-जंगल-जमीन की सुरक्षा और युवाओं के हक की लड़ाई को अपना प्रमुख चुनावी एजेंडा बनाने का फैसला किया है। पार्टी का मानना है कि राज्य गठन के मूल उद्देश्य आज भी अधूरे हैं और इन्हीं अधूरे सपनों को लेकर वह जनता के बीच जाएगी।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि उत्तराखंड आंदोलन केवल एक अलग राज्य की मांग नहीं था, बल्कि यह पहाड़ की पहचान, संसाधनों पर स्थानीय लोगों के अधिकार और युवाओं के बेहतर भविष्य का सपना भी था। लेकिन दो दशक से अधिक समय बीत जाने के बावजूद पलायन, बेरोजगारी और संसाधनों पर बाहरी हस्तक्षेप जैसे मुद्दे आज भी जस के तस बने हुए हैं।

कांग्रेस का आरोप है कि राज्य की संस्कृति, भाषा, लोक परंपराओं और स्थानीय पहचान को पर्याप्त संरक्षण नहीं मिल पा रहा है। पार्टी का कहना है कि उत्तराखंड की मूल पहचान को बचाने के लिए ठोस नीतियों की जरूरत है। कांग्रेस स्थानीय लोगों के लिए रोजगार,

❑कांग्रेस का बड़ा दावा- राज्य गठन के मूल उद्देश्य आज भी अधूरे, जनता की अदालत में जाएगी कांग्रेस
❑उत्तराखंड की पहचान और जल-जंगल-जमीन की सुरक्षा को लेकर विपक्ष ने तैयार किया आक्रामक ब्लूप्रिंट
❑रोजगार और हकों की लड़ाई बनेगी चुनावी एजेंडा, युवाओं को साधने की कोशिश में जुटी मुख्य विपक्षी पार्टी

भूमि और संसाधनों पर प्राथमिक अधिकार की बात को प्रमुखता से उठाएगी। कांग्रेस का दावा है कि प्रदेश के प्राकृतिक संसाधनों का लाभ स्थानीय लोगों को अपेक्षित रूप से नहीं मिल पाया है। वन क्षेत्रों से जुड़े गांवों की समस्याएं, भूमि कानूनों को लेकर उठ रहे सवाल और प्राकृतिक संसाधनों के दोहन को पार्टी चुनावी मुद्दा बनाएगी। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि जल, जंगल और जमीन पर पहला हक उत्तराखंड के लोगों का होना चाहिए और इसके लिए नई नीतियां बनाई जानी चाहिए।

प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी, भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ियों और पलायन को लेकर कांग्रेस सरकार को घेरने की तैयारी में है। पार्टी का मानना है कि रोजगार की कमी के कारण बड़ी संख्या में युवा राज्य छोड़ने को मजबूर हैं। कांग्रेस युवाओं के लिए रोजगार, स्वरोजगार और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया को अपने प्रमुख चुनावी वादों में शामिल कर सकती है।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि उत्तराखंड राज्य आंदोलन जिन सपनों और उम्मीदों के साथ लड़ा गया था, उन्हें पूरा करने का समय आ गया है। पार्टी आगामी चुनाव में राज्य आंदोलन की भावना को फिर से जीवित करने की कोशिश करेगी और जनता को यह संदेश देगी कि यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि उत्तराखंड की अस्मिता और भविष्य को बचाने का चुनाव है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि कांग्रेस स्थानीय मुद्दों को प्रभावी ढंग से जनता के बीच ले जाने में सफल रही तो यह सत्तारूढ़ भाजपा के लिए चुनौती बन सकता है। खासकर पहाड़ी क्षेत्रों में पलायन, रोजगार और संसाधनों पर अधिकार जैसे मुद्दे चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकते हैं। अब देखना यह होगा कि स्थानीय अस्मिता, जल-जंगल-जमीन और युवाओं के हक की लड़ाई को कांग्रेस किस तरह जन आंदोलन का रूप देती है और क्या ये मुद्दे आगामी विधानसभा चुनाव में सत्ता की दिशा तय करने में निर्णायक साबित होंगे।

जनसहयोग से विकास कार्यों को निरंतर मिल रही गति: प्रेमचंद

ऋषिकेश(आरएनएस)। विधायक प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार के मार्गदर्शन एवं जनसहयोग से क्षेत्र के विकास कार्यों को निरंतर गति दी जा रही है। जल निकासी, सड़क, स्वच्छता एवं सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं पर क्षेत्र में लगातार कार्य किया जा रहा है। चंद्रेश्रव नगर त्रिवेणी कॉलोनी में कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें विधायक प्रेमचंद अग्रवाल ने लगभग 3.5० लाख रुपये की विधायक निधि से बनने वाले तार-जाल तटबंध निर्माण कार्य के लिए भूमि पूजन किया। उन्होंने कहा कि त्रिवेणी कॉलोनी क्षेत्र में बरसात के दौरान जलभराव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाती है, जिससे स्थानीय निवासियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस तटबंध निर्माण कार्य के पूर्ण होने के पश्चात जलभराव की समस्या में काफी हद तक कमी आएगी और क्षेत्रवासियों को राहत मिलेगी। कहा कि उनकी प्राथमिकता क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं जैसे जल निकासी, सड़क, स्वच्छता एवं सुरक्षा का स्थायी समाधान करना है। विधायक निधि का उपयोग भी उन्हीं कार्यों में किया जा रहा है, जिनसे आमजन को सीधा लाभ प्राप्त हो। मौके पर भाजपा ऋषिकेश मंडल अध्यक्ष मनोज ध्यानी, पार्षद रूपा देवी, जिला उपाध्यक्ष देवदत्त शर्मा, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष किशन मंडल, किसान मोर्चा मंडल महामंत्री राजकुमार राजभर, किसान मोर्चा मंडल मंत्री सूरज शर्मा, किसान मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष अमन जाटव, युवा मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष शिवम शाह आदि उपस्थित रहे।

स्कूल की क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवार का नहीं हो पाया निर्माण

विकासनगर(आरएनएस)। दो साल पहले बरसात के दौरान क्षतिग्रस्त हुई प्राथमिक विद्यालय साहिया पाटन की सुरक्षा दीवार को अभी तक ठीक नहीं कराया गया है। सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त होने से यहां बच्चों के लिए खतरा बना हुआ है। अभिभावक कई बार विभागीय अधिकारियों से दीवार की मरम्मत कराने की गुहार लगा चुके हैं।प्राथमिक विद्यालय साहिया पाटन की सुरक्षा दीवार दो साल पहले भूस्खलन की चपेट में आने से क्षतिग्रस्त हो गई थी। दीवार का आधा हिस्सा पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है। विद्यालय के नीचे अमलावा नदी बहती है, जबकि ऊपर की ओर पहाड़ी है। दोनों ही ओर से भूस्खलन का खतरा बना हुआ है।स्थानीय अभिभावक मेहर सिंह, संतराम, ग्यार दत्त, बारू सिंह ने बताया कि उनके बच्चों को हर समय खतरा बना रहता है। सुरक्षा दीवार नहीं होने से बच्चों के खेल-खेल में नदी में गिरने का भय बना रहता है। जबकि ऊपरी हिस्से से हो रहे भूस्खलन का मलबा भी विद्यालय परिसर में ही गिरेगा। बताया कि सुरक्षा दीवार का निर्माण किए जाने की मांग को लेकर ब्लॉकस्तरीय अधिकारियों समेत जिले के अधिकारियों से भी गुहार लगाई जा चुकी है, लेकिन बच्चों की सुरक्षा को लेकर विभागीय अधिकारी लापरवाह बने हुए हैं। अभिभावकों ने जल्द दीवार निर्माण नहीं होने पर अपने बच्चों को दूसरे स्कूल में प्रवेश दिलाने की बात कही है। उधर, खंड शिक्षाधिकारी भुवनेश्वर प्रसाद जदली ने कहा कि दैवीय आपदा मद में सुरक्षा दीवार निर्माण का प्रस्ताव सरकार को भेजा गया है। बजट मिलते ही निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा।

13० शिक्षकों ने अंग्रेजी संवाद का अभ्यास किया

ऋषिकेश(आरएनएस)। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज आवास विकास में तीन दिवसीय अंग्रेजी संभाषण कार्यशाला शुरू हुई। जिसमें विभिन्न विद्यालयों आए लगभग 13० प्रशिक्षुओं को अंग्रेजी में दैनिक जीवन के संवाद, शुद्ध उच्चारण, शब्दावली विकास, मंच संचालन आदि का अभ्यास कराया जा रहा है। आवास विकास स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में तीन दिवसीय अंग्रेजी संभाषण कार्यशाला का शुभारंभ विद्या भारती के प्रदेश निरीक्षक विजयपाल ने किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी युग में अंग्रेजी भाषा का ज्ञान समय की आवश्यकता है, किंतु अंग्रेजी केवल भाषा है, ज्ञान का मापदंड नहीं। कहा कि विद्या भारती वर्षों से मातृभाषा आधारित शिक्षा, कौशल विकास, चरित्र निर्माण, व्यक्तित्व विकास, अनुभवात्मक शिक्षण एवं भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित शिक्षा पद्धति का सफल संचालन कर रही है। मेंटोर दीपक ने बताया कि तीन दिवसीय कार्यशाला के दौरान खेल-आधारित शिक्षण, समूह गतिविधियों, संवाद अभ्यास, प्रेरक सत्रों एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों की अंग्रेजी बोलने की दक्षता एवं व्यक्तित्व विकास पर विशेष कार्य किया जाएगा। विद्यालय के मीडिया प्रभारी नरेन्द्र खुराना ने बताया कि इस कार्यशाला में विद्या भारती के विभिन्न संकुलों के विद्यालयों से वे आचार्य एवं आचार्याएं प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं, जिन्होंने नोएडा में विद्या भारती द्वारा आयोजित 15 दिवसीय अंग्रेजी संभाषण प्रशिक्षण शिविर में विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया है। कार्यशाला में विभिन्न विद्यालयों से आए लगभग 13० प्रशिक्षुओं ने सहभागिता की। मौके पर गढ़वाल संभाग निरीक्षक नत्थी लाल बंगवाल, कुमाऊँ संभाग निरीक्षक सुरेशानन्द जोशी, प्रांतीय लेखाकार प्रमुख कमल, विद्यालय अध्यक्ष डॉ. शशि कुमार कंडवाल, प्रबंधक डॉ. गौरव वार्ष्णेय, प्रधानाचार्य उमाकांत पंत, मनोज रयाल, प्रधानाचार्य लोकेंद्र अन्थवाल, अमरदीप, इन्द्रपाल परमार आदि उपस्थित रहे।

गांव छूटा, बचपन रूठा और पीछे छूट गया 'किनगोड़'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। पहाड़ के जंगलों, गांवों के किनारों और खेतों के आसपास उगने वाला किनगोड़ जंगली फल कभी ग्रामीण जीवन का अभिन्न हिस्सा हुआ करता था। गर्मियों और बरसात के मौसम में बच्चे स्कूल से लौटते समय किनगोड़ तोड़कर खाते थे और इसकी खट्टी-मीठी स्वादिष्टता उनके बचपन की यादों में आज भी ताजा है। एक कांटेदार झाड़ी में लगने वाला छोटा फल है, जो गहरे बैंगनी, लाल या काले रंग का होता है। यह फल मुख्य रूप से पहाड़ के मध्यम और ऊंचाई वाले पर्वतीय क्षेत्रों में प्राकृतिक रूप से उगता है। गांवों के आसपास इसकी झाड़ियां आसानी से देखी जा सकती हैं। स्थानीय भाषाओं में इसे अलग-अलग नामों से पुकारा जाता है, लेकिन गढ़वाल और कुमाऊं में यह किनगोड़ के नाम से ज्यादा जाना जाता है।

❑अब बस यादों में ही ताजा है 'किनगोड़' का जाना-पहचाना स्वाद
❑स्कूल से लौटते ही किनगोड़ की झाड़ियों में ढूँढते थे हम खुशियाँ
❑बच्चों की जेब में भर जाता था किनगोड़, आज नई पीढ़ी इससे दूर

किनगोड़ का स्वाद खट्टा-मीठा होता है। पकने के बाद इसमें हल्की मिठास आ जाती है, जबकि कच्चे फलों में खटास अधिक होती है। यही कारण है कि बच्चे और ग्रामीण इसे बड़े चाव से खाते हैं। कई जगहों पर इससे चटनी, जैम और शरबत भी बनाया जाता है। पहाड़ के बुजुर्गों और पारंपरिक वैद्यों के अनुसार किनगोड़ केवल स्वादिष्ट फल ही नहीं, बल्कि औषधीय गुणों का भंडार भी है। इसमें कई प्रकार के पोषक तत्व और एंटीआक्सीडेंट पाए जाते हैं। यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक,पाचन तंत्र को मजबूत करने में मददगार, आंखों के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक, शरीर में ऊर्जा और ताजगी बनाए रखने में सहायक होता था। इसमें प्राकृतिक एंटीआक्सीडेंट होने के कारण यह कई बीमारियों से बचाव में मदद करता है।

पारंपरिक चिकित्सा प(तियों में इसकी जड़ों और तनों का भी उपयोग किया जाता रहा है। किनगोड़ केवल मनुष्यों के लिए ही नहीं, बल्कि पहाड़ के अनेक पक्षियों और छोटे वन्य जीवों के लिए भी भोजन का महत्वपूर्ण स्रोत है। इसके फल पकने पर कई पक्षी इसकी झाड़ियों पर मंडराते दिखाई देते हैं। इस प्रकार यह स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। आज की नई पीढ़ी पैकेटबंद खाद्य पदार्थों और बाजारू फलों की ओर अधिक आकर्षित हो रही है। इसके चलते पहाड़ की पारंपरिक खाद्य संस्कृति धीरे-धीरे पीछे छूटती जा रही है। कई बच्चे अब किनगोड़, हिसालू, काफल और मेहल जैसे जंगली फलों के नाम तक नहीं जानते।

वन विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इन पारंपरिक फलों का संरक्षण नहीं किया गया तो आने वाली पीढ़ियां अपनी इस प्राकृतिक धरोहर से वंचित हो सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार किनगोड़ से जैम, जूस, सिरप और हर्बल उत्पाद तैयार कर स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा किए जा सकते हैं। यदि इसके वैज्ञानिक उत्पादन और विपणन पर ध्यान दिया जाए तो यह पहाड़ की अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा दे सकता है।

किनगोड़ केवल एक जंगली फल नहीं, बल्कि पहाड़ के बचपन, संस्कृति और प्रकृति से जुड़ी यादों का हिस्सा है। यह हमें उस दौर की याद दिलाता है जब बच्चों के हाथों में चिप्स के पैकेट नहीं, बल्कि जंगलों से तोड़े गए किनगोड़ और काफल होते थे। पहाड़ की इस अनमोल प्राकृतिक धरोहर को सहेजने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता है, ताकि पहाड़ का यह खट्टा-मीठा स्वाद आने वाले वर्षों तक जीवित रह सके।

जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाएगी युवा कांग्रेस

ऋषिकेश(आरएनएस)। युवा कांग्रेस की जिला कार्यकारिणी की बैठक हुई। जिसमें संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर मंथन किया गया। वक्ताओं ने जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने का आह्वान किया। ऋषिकेश स्थिति एक होटल में युवा कांग्रेस की जिला कार्यकारिणी की बैठक हुई। जिलाध्यक्ष गौरव भारती ने कहा कि युवा कांग्रेस संगठन की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, जनता के बीच कांग्रेस की नीतियों को पहुंचाने तथा युवाओं के मुद्दों को मजबूती से उठाने के लिए सक्रिय भूमिका निभानी होगी। पूर्व कैबिनेट मंत्री शूरवीर सिंह सजवाण ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास युवाओं के संघर्ष और जनसेवा का इतिहास रहा है।

पीसीसी सदस्य जयेंन्द्र रमोला ने कहा कि आज का युवा देश और प्रदेश की राजनीति में सकारात्मक बदलाव चाहता है। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को जनता के बीच रहकर उनके सुख-दुख में सहभागी बनना चाहिए और जनसमस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करना चाहिए। पार्षद एडवोकेट अभिनव सिंह मलिक ने कहा कि युवा कांग्रेस हमेशा युवाओं की आवाज़ बनकर कार्य करती रही है। संगठन को गांव-गांव और वार्ड-वार्ड तक मजबूत करने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करना होगा। मौके पर युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव आरिफ अली, प्रदेश सचिव अंकुश प्रकाश, विधानसभा अध्यक्ष डोईवाला विवेक सैनी, विधानसभा अध्यक्ष ऋषिकेश रवि थापा, जिला उपाध्यक्ष विशाल, ब्लॉक अध्यक्ष श्यामपुर अंकित सजवाण, ब्लॉक अध्यक्ष ऋषिकेश हिमांशु कश्यप, ब्लॉक उपाध्यक्ष मयंक पाल, ब्लॉक महासचिव गौरव जोशी, विशाल भारती, सुन्नी, सौरव वर्मा, दिनेश, कपिल, गौरव, समीर आदि उपस्थित रहे।

हरिपुर में स्थापित की जाएगी मां यमुना की 21 फीट ऊंची प्रतिमा

विकासनगर(आरएनएस)। जौनसार-बावर के प्रवेश द्वार हरिपुर कालसी में यमुना नदी पर बने ब्रिटिशकालीन पुल के आधार स्तंभ पर मां यमुना की 21 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। प्रतिमा गुजरात में बनकर तैयार हो चुकी है और जल्द कालसी पहुंचाई जाएगी। लोक पंचायत के सदस्यों ने पिलर पर चढ़कर निरीक्षण किया और प्रतिमा स्थापना के लिए लंबाई-चौड़ाई की नापजोख की।

लोक पंचायत के वरिष्ठ सदस्य एवं केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता सुंदरलाल नौटियाल ने बताया कि विशालकाय प्रतिमा के लिए मजबूत आधार स्तंभ जरूरी है। इसलिए पिलर की मजबूती और आयाम का तकनीकी निरीक्षण किया गया, ताकि प्रतिमा को सुरक्षित रूप से स्थापित किया जा सके।

उन्होंने कहा कि यमुना तट पर घाटों के निर्माण और मां यमुना की प्रतिमा लगने से जौनसार बावर एवं आसपास के क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन की संभावनाएं बढ़ेंगी। बता दें कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दो वर्ष पूर्व हरिपुर में यमुना घाटों का शिलान्यास किया था। घाटों का निर्माण कार्य अब लगभग पूरा हो चुका है। इन्हीं घाटों के बगल में अब लोक पंचायत की पहल पर मां यमुना की प्रतिमा स्थापित की जा रही है।

लोक पंचायत यमुनातीर्थ समिति के अध्यक्ष गंभीर चौहान ने कहा कि घाटों का कार्य पूर्ण होने के बाद 15 जुलाई के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी घाटों और मां यमुना की प्रतिमा का लोकार्पण करेंगे।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हरिपुर धाम जगमगाएगा और यह क्षेत्र आस्था व पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनेगा। जौनसार बावर के लोगों में इसे लेकर खासा उत्साह है।

उनका मानना है कि मां यमुना की प्रतिमा और नए घाट हरिपुर कालसी की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाई देंगे। इस अवसर पर लोक पंचायत के वरिष्ठ सदस्य श्रीचंद शर्मा, सतपाल चौहान,भारत चौहान, प्रीतम सिंह,रविंद्र चौहान,पूर्व प्रधान चंचल सिंह मौजूद रहे।

वजन कम करने के लिए भूलकर भी ना अपनाएं ये तरीके, होगा सकता है नुकसान

आज संचार के माध्यमों और सोशल मीडिया के द्वारा हर आदमी को पता चलता है कि उसके स्वास्थ्य के लिए कौन सी चीज अच्छी है और कौन सी चीज खराब है. लोग आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा जागरूक हो गए हैं. अपना वजन कम करने के लिए लोग कई तरह के उपायों को आजमा रहे हैं. सबसे ज्यादा मुश्किल होता है पेट की चर्बी को कम करना. शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए लोग किसी भी तरह के उपायों को अपनाकर अपना वजन कम करना चाहते हैं, लेकिन शायद यह बात मालूम ना हो कि वजन कम करने के कुछ उपाय शरीर के लिए हानिकारक भी हो सकते हैं. आइए जानते हैं कि किस तरह के उपाय शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं –

कई लोग ऐसा सोचते हैं कि सिर्फ दिनभर जूस पीने से उनका वजन कम हो सकता है, लेकिन सच बात तो यह है कि सिर्फ जूस में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन नहीं मिलता है, जितना शरीर के लिए जरूरी है. इससे आपका वेट कम हो सकता है, लेकिन आपको शारीरिक थकान भी महसूस जरूर हो सकती है.

वजन कम करने के लिए अधिकतर खाना ही छोड़ देते हैं और दिनभर भूखे पेट रहते हैं. ऐसा करने से शरीर का मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है और कैलोरी कम नहीं होती है. डॉक्टरों के मुताबिक भूखे रहने से वजन कम करने का विकल्प बिल्कुल गलत है. वजन कम करने के लिए ज्यादातर लोग बिना वसायुक्त आहार लेते हैं, जिसमें उन्हें पर्याप्त मात्रा में पोषण नहीं मिल पाता है. ऐसा खाना स्वाद रहित तो होता ही है, लेकिन साथ ही उचित पोषण नहीं मिल पाने की वजह से शरीर में थकान हो जाती है, क्योंकि वसा भी शरीर के लिए बहुत जरूरी है. फैट फ्री डाइट भी वजन कम करने का अच्छा विकल्प नहीं है. कई लोग वेट कम करने के लिए ज्यादा व्यायाम करते हैं, लेकिन ज्यादा व्यायाम से अधिक भूख लगती है और अधिक भूखे होने के कारण लोग अधिक खाना खाते हैं. ज्यादा व्यायाम करना भी गलत है और कहीं ना कहीं ज्यादा व्यायाम आपके शरीर को भी नुकसान पहुंचा सकता है. इसलिए शरीर की जरूरत के हिसाब से व्यायाम करना चाहिए.

जो लोग अपना वजन कम करना चाहते हैं, उन्हें अपने डाइट में प्रोटीन और विटामिन युक्त आहार जरूर लेना चाहिए. वजन कम करने के लिए भूखा रहने की बजाए फाइबर से भरपूर चीजों का सेवन करने से भी मेटाबॉलिज बढ़ता है और कैलोरी बर्न होती है. यदि वजन कम करना है तो पहले से ही एक डाइट चार्ट तैयार कर लेना चाहिए ताकि शरीर को किसी तरह का नुकसान ना पहुंचे और आपका वजन भी कम हो जाए.

बहुत तेज हो सिरदर्द तो न करें नजरअंदाज, एन्यूरिज्म का हो सकते हैं शिकार

हर किसी ने कभी न कभी छोटा-मोटा सिरदर्द महसूस किया होगा. ज्यादा भागा दौड़ या तनाव के कारण भी सिरदर्द की स्थिति पैदा हुई होगी, लेकिन अगर व्यक्ति को सिर में इतना तेज दर्द हो कि उसे लगे मानो सिर ही फट जाएगा तो उसे इस लक्षण को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. इसके साथ ही गर्दन भी अकड़ी हुई महसूस होती है, तो इसको हल्के में न लें, क्योंकि व्यक्ति सेरिब्रल एन्यूरिज्म या मस्तिष्क धमनीविस्फार का शिकार हो सकता है. मस्तिष्क धमनीविस्फार तब होता है जब मस्तिष्क की धमनी का कोई हिस्सा फूल जाता है और उसमें रक्त भर जाता है. यह एक तरह की जानलेवा स्थिति है जो किसी भी आयु के लोगों को प्रभावित कर सकती है. इस स्थिति में ब्रेन स्ट्रोक, ब्रेन डैमेज भी हो सकता है.

मरीज की अचानक से मौत भी हो सकती है. ब्रेन एन्यूरिज्म होने पर सिरदर्द के साथ जी मचलना या उल्टी, रोशनी के प्रति संवेदनशीलता, मिर्गी चढ़ना, गर्दन में अकड़न, मांसपेशियों में कमजोरी, शरीर के किसी हिस्से को चलाने में कठिनाई, आंखों में धुंधलापन, सुस्ती, बोलने में परेशानी आदि संकेत दिखाई देते हैं. यह बीमारी 35 से 60 साल की आयु के लोगों को ज्यादा प्रभावित करती है, लेकिन कुछ मामलों में इसकी स्थिति बच्चों में भी देखी जा सकती है. ब्रेन एन्यूरिज्म का विकास धमनी की दीवारों के पतले होने की वजह से होता है. ये अक्सर धमनियों में कांटे या शाखाओं पर बनते हैं क्योंकि नसों के ये हिस्से कमजोर होते हैं. ब्रेन एन्यूरिज्म कई वजहों से हो सकते हैं. इनमें आनुवंशिकता, हाई ब्लड प्रेशर और असामान्य रक्त प्रवाह सबसे बड़ी वजह होती है. पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं में इसके होने की आशंका अधिक होती है. डॉक्टर क्लिनिकल टेस्ट के साथ ही सीटी स्कैन और ब्रेन एंजियोग्राफी से इस रोग की जांच की जाती है. ब्रेन एन्यूरिज्म का इलाज किस विधि से किया जाए इसके लिए डॉक्टर उम्र, रोग की स्थिति और स्वास्थ्य की स्थिति देखते हैं. अगर एन्यूरिज्म छोटा है और स्थिति ज्यादा गंभीर नहीं है तो ऐसे में इसके टूटने का जोखिम न के बराबर होता है. ऐसी स्थिति में डॉक्टर हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

तीन से आठ अगस्त तक आयोजित होगी 130 इन्फैंट्री बटालियन इको कुमाऊँ की भर्ती रैली

संवाददाता

देहरादून। 130 इन्फैंट्री बटालियन (प्रादेशिक सेना) इको कुमाऊँ द्वारा पूर्व सैनिकों एवं पात्र भूतपूर्व महिला कर्मियों के लिए भर्ती रैली का आयोजन 03 अगस्त से 08 अगस्त, 2026 तक देवकटिया ग्राउंड, पिथौरागढ़ में किया जाएगा।

यहां 130 इन्फैंट्री बटालियन (प्रादेशिक सेना) इको कुमाऊँ द्वारा पूर्व सैनिकों एवं पात्र भूतपूर्व महिला कर्मियों के लिए भर्ती रैली का आयोजन 03 अगस्त से 08 अगस्त, 2026 तक देवकटिया ग्राउंड, पिथौरागढ़ में किया जाएगा। भर्ती रैली प्रतिदिन प्रात: 06:00 बजे से प्रारंभ होगी। भर्ती कार्यक्रम के अनुसार 03 अगस्त को अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा। 04 अगस्त को शारीरिक दक्षता परीक्षा आयोजित होगी, जबकि 05 अगस्त से 08 अगस्त तक शारीरिक परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों का चिकित्सीय परीक्षण एवं साक्षात्कार संपन्न कराया जाएगा। भर्ती रैली के अंतर्गत कुल 69 रिक्त पदों पर नामांकन किया जाएगा। इनमें सैनिक (सामान्य ड्यूटी) के 49 पद केवल उत्तराखण्ड के पूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित हैं। इसके अतिरिक्त सैनिक (शेफ कम्युनिटी) के 4, सैनिक (वाशरमैन) के 2, सैनिक (टेलर) के 2, सैनिक (इक्विपमेंट रिपेयरर) के 2, सैनिक (हेयर ड्रेसर) के 3, सैनिक (ब्लैक स्मिथ) का 1, सैनिक (क्लर्क) का 1, सैनिक (कारपेंटर) के 3 तथा सैनिक (हाउस कीपर) के 2 पदों पर अखिल भारतीय स्तर पर पात्र पूर्व सैनिक आवेदन कर सकेंगे। भर्ती के लिए पूर्व सैनिक (पेंशनधारक) तथा भूतपूर्व महिला कर्मी, जो कि पर्यावरण वन मंत्रालय तथा जलवायु नियंत्रण या राज्य वन विभाग, उत्तराखण्ड में न्यूनतम 20 वर्ष की सेवा प्रदान की हो, आवेदन करने के पात्र होंगे। पूर्व सैनिकों एवं भूतपूर्व महिला कर्मियों का नामांकन सेवानिवृत्ति अथवा सेवा से मुक्त होने की तिथि से पांच वर्ष के भीतर होना आवश्यक है। अभ्यर्थियों के लिए चिकित्सीय श्रेणी, चरित्र अनुकरणीय/बहुत अच्छा होना अनिवार्य है। पुरुष अभ्यर्थियों का न्यूनतम वजन 50 किलोग्राम तथा महिला अभ्यर्थियों का न्यूनतम वजन 42 किलोग्राम निधरित किया गया है। पुरुष अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम ऊँचाई 160 सेंटीमीटर (गोरखा एवं गढ़वाली अभ्यर्थियों के लिए 152 सेंटीमीटर) तथा भूतपूर्व महिला कर्मियों के लिए 150 सेंटीमीटर निर्धारित है। पुरुष अभ्यर्थियों के लिए सीने का न्यूनतम माप 82 सेंटीमीटर तथा 5 सेंटीमीटर का विस्तार अनिवार्य होगा। महिला अभ्यर्थियों को भी 5 सेंटीमीटर तक सीने का विस्तार करने में सक्षम होना होगा। भर्ती रैली में भाग लेने वाले पूर्व सैनिकों को मूल डिस्चार्ज बुक, पीपीओ की मूल एवं छायाप्रति, पूर्व सैनिक पहचान पत्र, आधार कार्ड, मूल निवास प्रमाण पत्र तथा पासपोर्ट आकार के सात रंगीन फोटो साथ लाने होंगे। भूतपूर्व महिला कर्मियों को मूल पेंशन आदेश, संबंधित विभाग द्वारा जारी 20 वर्ष की सेवा प्रमाणित करने वाला प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, मूल निवास प्रमाण पत्र तथा सात पासपोर्ट आकार के रंगीन फोटो प्रस्तुत करने होंगे। नामांकित कार्मिकों की सेवा अवधि वर्ष में अधिकतम आठ माह होगी, जो आवश्यकता एवं स्वीकृत प्रावधानों के अनुसार निर्धारित की जाएगी। चयनित अभ्यर्थियों को उनके पद एवं सेवा समूह के अनुसार मूल वेतन, महंगाई भत्ता तथा नियमानुसार अन्य अनुमन्य भत्ते देय होंगे। 130 इन्फैंट्री बटालियन (प्रादेशिक सेना) इको कुमाऊँ ने पात्र पूर्व सैनिकों एवं भूतपूर्व महिला कर्मियों से निर्धारित तिथि एवं समय पर सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ भर्ती रैली में उपस्थित होने का आग्रह किया है। भर्ती से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं ऑनलाइन नामांकन के लिए अभ्यर्थी ॰ 130जं.बवउ पर अथवा जारी क्यूआर कोड के माध्यम से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

आरटीई प्रवेश में देरी, अधर में 2500 बच्चों का भविष्य

हल्द्वानी(आरएनएस)। नैनीताल जिले में शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों में अपने बच्चों का दाखिला दिलाने का सपना देख रहे अभिभावकों की चिंताएं बढ़ गई हैं। जिले के 371 स्कूलों में इस बार आरटीई के तहत दूसरे चरण की प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह लटक गई है। इस देरी के कारण पहले चरण की प्रवेश प्रक्रिया से बाहर रहे 2500 से अधिक छात्रों का दाखिला अधर में लटक गया है। अभिभावकों का कहना है कि आरटीई के तहत नाम आने की आस में उन्होंने अपने बच्चों का दाखिला फिलहाल किसी अन्य निजी स्कूल में भी नहीं कराया है। ऐसे में बच्चे घर बैठने को मजबूर हैं। जिले के 371 स्कूलों की 2,771 सीटों के लिए पहले चरण में रिकॉर्ड 4,936 आवेदन आए थे। इनमें से 2,280 सीटें आवंटित कर दी गईं। अब शेष बची 491 सीटों के लिए दूसरे चरण की प्रक्रिया होनी है। पहले चरण से बाहर हुए करीब 2,500 से अधिक बच्चों के अभिभावक बेसब्री से इस प्रक्रिया के शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन विभाग की ओर से अभी तक कोई सुगबुगाहट नहीं है। यह प्रक्रिया कब शुरू होगी, इस पर भी स्थिति साफ नहीं है।

शब्द सामर्थ्य -228

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्भूत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे

2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।

1	2	■	3	4	5	■	6	7
■	8	9				■	■	
10			■	11		12	13	■
14		■	15	■	■	16		17
	■	18		19	20	■	21	
22			■	23		■	■	
■	■		■		■	24	25	
26				■	27			■
	■		■	■	28			

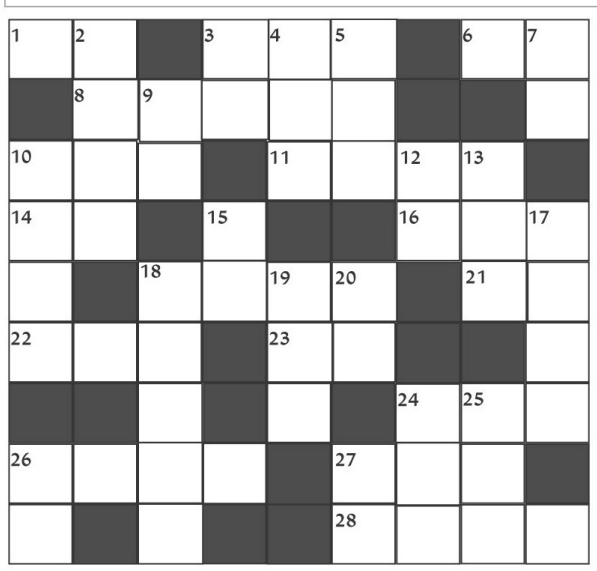

टे	ढ़ा	मे	ढ़ा	■	म	हा	र	त
क	■	ह	■	■	■	■	ज	न
■	जा	न	की	■	क	म	नी	य
■	■	त	म	क	ना	■	■	■
म	■	■	त	ह	त	■	दा	ब
सी	मा	■	■	ला	■	स	न	द
हा	थ	म	ल	ना	■	वा	■	च
■	■	द	■	■	घा	ल	मे	ल
■	ब	द	ह	वा	स	■	■	न

वजन घटाने के लिए अपनाएं ये एंटी-इंफ्लेमेटरी आदतें

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना भूल जाते हैं। खासकर वजन घटाने के लिए जरूरी एंटी-इंफ्लेमेटरी आदतें अपनाना बहुत अहम है। एंटी-इंफ्लेमेटरी आहार शरीर में सूजन को कम करते हैं, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी एंटी-इंफ्लेमेटरी आदतें बताएंगे, जिन्हें आप अपनी दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं और अपने वजन को नियंत्रित कर सकते हैं।

हर दिन 5-10 मिनट टहलें

हर दिन 5-10 मिनट टहलना एक आसान और प्रभावी तरीका है, जिससे आप अपने शरीर की सूजन को कम कर सकते हैं। टहलने से न केवल आपका रक्त संचार बेहतर होता है, बल्कि यह आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। सुबह या शाम के समय टहलना आपको ताजगी महसूस कराता है और दिनभर ऊर्जा प्रदान करता है। इसके अलावा टहलने से आपकी मांसपेशियों में लचीलापन आता है और आप अधिक सक्रिय महसूस करते हैं।

हल्दी का सेवन करें

हल्दी एक ऐसा मसाला है, जिसमें एक खास तत्व होता है, जो प्राकृतिक रूप से सूजन कम करता है। इसे दूध, सब्जियों या फिर रोटी पर छिड़ककर इसका सेवन किया जा सकता है। हल्दी का सेवन करने से शरीर की अंदरूनी सूजन कम होती है और वजन घटाने में मदद मिलती है। इसके अलावा हल्दी का सेवन करने से आपकी त्वचा भी चमकदार बनती है और आप अधिक स्वस्थ महसूस करते हैं।

ग्रीन टी पिएं

ग्रीन टी में ऐसे तत्व होते हैं, जो शरीर की अतिरिक्त चर्बी को जलाने में मदद करते हैं। रोजाना एक कप ग्रीन टी पीने से शरीर तेजी से वजन काम करता है, जिससे कैलोरी जलती हैं। इसके अलावा ग्रीन टी पीने से शरीर में मौजूद विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते हैं और आपकी त्वचा भी साफ-सुथरी रहती है। ग्रीन टी का नियमित सेवन आपको ताजगी महसूस कराता है और दिनभर ऊर्जा प्रदान करता है, जिससे आप अधिक सक्रिय महसूस करते हैं।

जैतून के तेल का इस्तेमाल करें

खाने में जैतून के तेल का इस्तेमाल करना भी एक अच्छा तरीका है, जिससे आपके भोजन में सूजन कम करने वाले गुण शामिल होते हैं। सलाद या सब्जियों पर जैतून का तेल डालकर खाना स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी अच्छा है। जैतून के तेल में ऐसे तत्व होते हैं, जो शरीर की सूजन को कम करने में मदद करते हैं। यह दिल की सेहत के लिए भी फायदेमंद है और रक्त में वसा को नियंत्रित करता है।

हरी सब्जियों की स्मूदी बनाकर पिएं

हरी सब्जियों की स्मूदी बनाकर पीना भी एक बेहतरीन तरीका हो सकता है, जिससे आप अपने आहार में सूजन कम करने वाले तत्व शामिल कर सकते हैं। पालक, केल और अदरक आदि जैसी सब्जियों को मिलाकर स्मूदी बनाई जा सकती है, जो न केवल स्वादिष्ट होती है बल्कि सेहतमंद भी रहती है। इन सरल और छोटे-छोटे आदतों को अपनाकर आप अपने दैनिक जीवन में आसानी से बदलाव ला सकते हैं और अपने वजन को नियंत्रित रख सकते हैं।

बर्तन धोने के लिए स्टील, प्लास्टिक या स्पंज वाला स्क्रबर ? जानिए कौन-सा है सही विकल्प

बर्तन धोने के लिए स्क्रबर का इस्तेमाल करना आम है, लेकिन सही स्क्रबर का चयन करना जरूरी है। बाजार में स्टील, प्लास्टिक और स्पंज स्क्रबर जैसे कई विकल्प उपलब्ध हैं। इन तीनों के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं। इस लेख में हम इन तीनों स्क्रबर के बारे में विस्तार से जानेंगे, ताकि आप अपने बर्तनों को सही तरीके से धो सकें और उन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रख सकें। आइए जानते हैं किसका चयन सबसे सही है।

कब करना चाहिए स्टील स्क्रबर का इस्तेमाल?

स्टील स्क्रबर उन बर्तनों के लिए सबसे अच्छा होता है, जिनमें जिद्दी चिपचिपे दाग लग जाते हैं। यह स्क्रबर आसानी से इन दागों को हटाता है और आपके बर्तनों को चमकदार बनाता है। हालांकि, इसका उपयोग कांच या नॉन-स्टिक बर्तनों पर न करें, क्योंकि इससे खरोंच आ सकती है। स्टील स्क्रबर का चयन करते समय उसकी मोटाई पर ध्यान दें, ताकि वह लंबे समय तक टिक सके और आपके बर्तनों को सुरक्षित रख सके।

प्लास्टिक स्क्रबर के फायदे और नुकसान

प्लास्टिक स्क्रबर हल्के होते हैं और इन्हें इस्तेमाल करना आसान होता है। ये स्क्रबर छोटे-छोटे कोनों तक पहुंच सकते हैं और बर्तनों को अच्छे से साफ कर सकते हैं। हालांकि, प्लास्टिक स्क्रबर जल्दी गंदे हो जाते हैं और इन्हें बार-बार बदलना पड़ता है। प्लास्टिक स्क्रबर का चयन करते समय उसकी गुणवत्ता पर ध्यान दें, ताकि वह लंबे समय तक टिक सके और आपके बर्तनों को अच्छी तरह साफ कर सके।

कब चुनना चाहिए स्पंज स्क्रबर?

स्पंज स्क्रबर नरम होते हैं और इन्हें इस्तेमाल करना बहुत आरामदायक होता है। ये स्क्रबर न केवल बर्तनों को साफ करते हैं, बल्कि उनमें खरोंच भी नहीं लगने देते। स्पंज स्क्रबर का चयन करते समय उसकी मोटाई पर ध्यान दें, ताकि वह लंबे समय तक टिक सके और आपके बर्तनों को अच्छी तरह से साफ कर सके। स्पंज स्क्रबर का उपयोग कांच और नॉन-स्टिक बर्तनों पर किया जा सकता है।

हर किरदार शिद्दत से निभाती हूं, फिल्म के विजन के अनुसार खुद को ढालती हूं: शीना चौहान

अपकमिंग फिल्म अर्जुनैन अल्लिरानी में रानी' का किरदार निभा रहीं अभिनेत्री शीना चौहान ने कहा कि वह हर भूमिका को पूरी ईमानदारी और गहराई के साथ निभाने में विश्वास रखती हैं। उनके अनुसार, जब भी वह किसी प्रोजेक्ट को हां कहती हैं, तो वह पूरी तरह से उस किरदार की दुनिया में खुद को ढाल लेती हैं। शीना चौहान ने बताया कि वह खुद को निर्देशक के विजन के अनुसार ढालती हैं और एक कलाकार के तौर पर खुद को खाली पन्ने की तरह मानती हैं, जिस पर निर्देशक अपनी कल्पना के अनुसार काम कर सके। उन्होंने कहा कि अभिनय के दौरान वह हर किरदार की भावनात्मक गहराई को समझने की कोशिश करती हैं ताकि दर्शक उससे जुड़ाव महसूस कर सकें। फिल्म के लिए तैयारी के दौरान शीना इन दिनों स्टिक-फाइटिंग की स्पेशल ट्रेनिंग ले रही हैं। इसके साथ ही वह ग्रामीण तमिल संस्कृति, लोक कथाओं, भाषा और बोलियों को भी समझने पर ध्यान दे रही हैं ताकि अपने किरदार को अधिक वास्तविकता के साथ पेश कर सकें। वह अपनी तमिल भाषा पर भी लगातार काम कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि किसी भी किरदार में ढलने के लिए वह पूरी तरह उस माहौल में डूब जाती हैं। उनके अनुसार, अभिनय सिर्फ संवाद बोलने का काम नहीं है, बल्कि किरदार की सोच और भावनाओं को जीने की प्रक्रिया है। इसी वजह से वह शूटिंग के दौरान कई बार सोशल मीडिया से दूरी बना लेती हैं ताकि उनका पूरा ध्यान किरदार पर केंद्रित रहे।

शीना चौहान ने यह भी बताया कि उनके लिए हर फिल्म एक सामूहिक दृष्टि का हिस्सा होती है, जिसमें कलाकार की जिम्मेदारी होती है कि वह निर्देशक के विजन का सम्मान करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दे। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी वह कई भूमिकाओं के लिए गहरे तरीके से तैयारी कर चुकी हैं। फिल्म संत तुकाराम में अपने किरदार के लिए उन्होंने ग्रामीण महिलाओं के जीवन को करीब से देखा था। वहीं, द ट्रायल में काम करते समय उन्होंने चर्च के वातावरण और वहां के लोगों के व्यवहार को समझने के लिए समय बिताया था। इसके अलावा, पुलिस अधिकारी के किरदार के लिए उन्होंने एक महिला पुलिसकर्मी के कामकाज और अनुशासन को भी नजदीक से देखा था।

मन पिशाच के बाद एक और एआई फिल्म लेकर आए राही अनिल बर्वे, जारी हुआ वन-विदिशा का ट्रेलर

फिल्ममेकर राही अनिल बर्वे की पिछली फिल्म मायासभा और मन-पिशाच का दर्शकों ने काफी पसंद किया था। अब अनिल ने अपनी एक और एआई बेस्ड फिल्म वन-विदिशा की झलक सोशल मीडिया के जरिए दी है। मन-पिशाच की तरह ही यह फिल्म भी जीरो बजट में बनी है। बर्वे ने इस एआई फिल्म का ट्रेलर सोशल मीडिया पर रिलीज किया। ट्रेलर के मुताबिक यह किसी जंगल में पनपते रहस्य की कहानी है। इसमें एक राजा है, एक अप्सरा है और एक मसखरा भी है। इन सब के साथ एक लड़की भी है जिसे दोबारा जीवित किया गया है।

ट्रेलर किसी जंगल में रहने वाली लोककथा या कहानी पर आधारित लग रही है। किरदारों के कपड़ो के डिजाइन से भी ऐसा लग रहा है। पूरे ट्रेलर की बात करें तो यह फिल्म प्रकृति और लोक कथा का मेल मालूम होती है।

अनिल राही बर्वे ने बहुत कम बजट में फिल्म तुम्बाड़'का निर्माण किया था, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था। फिल्म में हॉरर भी अच्छी तरह दिखाया गया था। इसके बाद उन्होंने हाल ही में एक्सपेरिमेंटल फिल्म मन पिशाच बनाई और उसे यूट्यूब पर रिलीज किया।

इस फिल्म का टोटल बजट सिर्फ 33 हजार था। 80 मिनट की यह फिल्म उन्होंने घर पर बैठे-बैठे कंप्यूटर पर ही बना दी थी। फिल्म मे दो किरदार थे यानिया भारद्वाज और दीपक दामले। हॉरर बेस्ड इस एआई फिल्म की दर्शकों ने खूब तारीफ की थी।

हाल ही में मेकर्स ने तुम्बाड के रीमेक तुम्बाड 2 की घोषणा की है। इस फिल्म को पहले पार्ट की तरह सोहम शाह ही प्रोड्यूस कर रहे हैं पर इसे अनिल डायरेक्ट नहीं करेंगे। इस बार मेकर्स ने फिल्म के निर्देशन के लिए आदेश प्रसाद को चुना है। फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी नजर आएंगे। अनिल ने फिल्म का पहला पार्ट डायरेक्ट किया था।

भीषण गर्मी में कोटद्वार-दुगड्डा हाईवे पर हाथियों की धमक बढ़ी

कोटद्वार(आरएनएस)। भीषण गर्मी में कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर हाथियों की धमक बढ़ गई है। दरअसल, इन दिनों हाथी राष्ट्रीय राजमार्ग पार कर खोह नदी में पानी पीने के लिए पहुंच रहे हैं। चौंकाने वाली बात है कि हाईवे पर कहीं भी वन विभाग का चेतावनी बोर्ड तक नजर नहीं आ रहा। कोटद्वार से दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा लैंसडौन वन प्रभाग क्षेत्र से सटा हुआ है। ऐसे में कई बार हाथी जंगल से निकलकर हाईवे पर पहुंच जाते हैं, लेकिन इन दिनों हाईवे पार कर हाथी खोह नदी में पहुंच रहे हैं। हाथी की बढ़ रही धमक से हाईवे से आवागमन करने वालों के लिए भी खतरा बढ़ गया है। दरअसल, हाईवे पर पांच से अधिक ऐसे स्थान हैं जहां हाथियों का झुंड हाईवे पार कर खोह नदी में पहुंचता है। बकायदा हाथियों ने अपने आवागमन के लिए रास्ता भी बनाया हुआ है। ऐसे में होना तो यह चाहिए था कि वन विभाग इन स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगाता। लेकिन सरकारी सिस्टम अपनी जिम्मेदारी को लेकर लापरवाह बना हुआ है। हाईवे से होते हुए खोह नदी में उतरने के दौरान कई लोग हाथियों को देखकर उत्साहित हो जाते हैं। ऐसे में वह कई बार उनके नजदीक जाकर फोटो खिंचने लगते हैं। ऐसे में हाथियों का झुंड चिढ़ जाता है। जिससे वह लोगों को पीछे दौड़ने लगता है।

दस दिन में चालू हो जाएगा पकड़िया विद्युत उप केंद्र

रुद्रपुर(आरएनएस)। बिजली कटौती से उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए ऊर्जा निगम ने पकड़िया में बन रहे 132 केवी विद्युत उप केंद्र को जल्द चालू करने की कवायद शुरू कर दी है। इसी के तहत ऊर्जा निगम रुद्रपुर के मुख्य अभियंता ने उप केंद्र का निरीक्षण किया। उम्मीद जताई कि दस दिन में उप केंद्र काम करना शुरू कर देगा। इसके बाद खटीमा क्षेत्र में बिजली का संकट खत्म हो जाएगा। पकड़िया में पिटकुल विद्युत उप केंद्र की स्थापना करा रहा है। इसके कार्य में तेजी लाने के लिए ऊर्जा निगम के अधिकारी सक्रिय हो गए हैं। रुद्रपुर से मुख्य अभियंता एनसी टोलिया एवं अधीक्षण अभियंता डीके जोशी पकड़िया पहुंचे। उन्होंने उप केंद्र के कार्यों को देखा और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। खटीमा के उप खंड अधिकारी आलोक सचान ने बताया कि उप केंद्र का कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। 33 केवी की लाइन बनाने का काम शेष रह गया है, जिसे दस दिन के अंदर पूरा कर लिया जाएगा। अवर अभियंता पवन उप्रेती ने बताया कि इस उप केंद्र के बन जाने से लोहिया हेड पावर हाउस में ओवरलोडिंग की समस्या खत्म हो जाएगी, जिससे कटौती नहीं होगी।

सू- दोकू

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.227 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

कुंजाग्रांट की पांच हजार की आबादी 10 दिन से झेल रही पेयजल किल्लत

विकासनगर(आरएनएस)। विकासनगर की कुंजाग्रांट ग्राम पंचायत में पेयजल संकट गहरा गया है। पिछले 10 दिनों से गांव की पांच हजार की आबादी बूंद-बूंद पानी को तरस रही है, लेकिन जनता को राहत देने के बजाय जल संस्थान और ऊर्जा निगम के अधिकारीएक-दूसरे पर ठीकरा फोड़ने में व्यस्त हैं। जिम्मेदारों की लापरवाही से गुस्साए ग्रामीणों ने गांव में ही प्रदर्शन कर जल्द पेयजल आपूर्ति बहाल कराने की मांग की।

प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि भीषण गर्मी के बीच महज एक हफ्ते के भीतर मुख्य पंप की मोटर दो बार फुंक चुकी है। बताया कि भारी-भरकम मोटरों को लो वोल्टेज के झटकों से बचाने के लिए पंप हाउस में लाखों रुपये की लागत से एक आधुनिक सर्वो इंस्ट्रूमेंट लगाया गया था, लेकिन लाखों की सरकारी रकम से लगा यह सर्वो सिस्टम साल 2024 से धूल फांक रहा है। लो वोल्टेज को नियंत्रित करने वाला यह उपकरण खुद कबाड़ में तब्दील हो चुका है, जिसके चलते कीमती मोटरें रामभरोसे चल रही हैं। बताया कि इस लापरवाही का खामियाजा आम जनता भुगत रही है। इस गर्मी में प्यास बुझाने के लिए ग्रामीण ऐसे हैंडपंपों का सहारा लेने को मजबूर हैं, जिनसे पीने के पानी की जगह जहर जैसा लाल और जंग लगा पानी निकल रहा है। गांव के कुछ हिस्सों में राहत सिर्फ एक सोलर वाटर सिस्टम से है, जहां सुबह से ही बाल्टियां लेकर महिलाओं और बच्चों की भारी भीड़ उमड़ रही है। वहीं, कई लोग नदियों और अन्य असुरक्षित स्रोतों से पानी ढोने को विवश हैं। पेयजल संकट गहराने और पानी की टंकी शोपीस बनने के बाद ग्राम प्रधान के बुलावे पर शनिवार रात में ही यूपीसीएल की टीम मौके पर पहुंची। बिजली विभाग की तकनीकी टीम ने मोटर और ट्रांसफार्मर की जांच कर दावा कर दिया कि मौके पर वोल्टेज पूरी तरह सही और पर्याप्त है। उधर, जल संस्थान का तर्क है कि हाल ही में 88 लाख रुपये का भारी-भरकम बिजली बिल चुकाने के बावजूद अगर लो वोल्टेज मिलेगा, तो मोटरें खराब होंगी ही। विभाग ने मांग की है कि यहां लगा छोटा ट्रांसफार्मर हटाकर 63 केवी का नया ट्रांसफार्मर लगाया जाए। ग्रामीणों का आरोप है कि एक ओर सरकार ग्रामीण इलाकों में पानी पहुंचाने के लिए हर घर जल जैसी योजनाएं चलाकर करोड़ों रुपये पानी की तरह बहा रही है, लेकिन धरातल पर विभागों के बीच तालमेल की कमी और अफसरों की लापरवाही से जनता प्यासी बैठी है। प्रदर्शन करने वालों में ग्राम प्रधान मुसब्बर अली आदि शामिल रहे।

सड़कों के गहरे गड्ढे बढ़ा रहे राहगीरों की मुसीबत

हरिद्वार(आरएनएस)। हरिद्वार शहर की कई प्रमुख सड़कें गहरे गड्ढों और उखड़ी सतह के कारण खतरनाक बन गई हैं। रोजाना हजारों वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी झेलनी पड़ रही है, जबकि बरसात के मौसम में दुर्घटना का खतरा और बढ़ गया है। शहर की कई प्रमुख सड़कें इन दिनों बदहाल स्थिति में हैं। जगह-जगह बने गहरे गड्ढे और उखड़ी सड़कें वाहन चालकों, विशेषकर दोपहिया सवारों के लिए मुसीबत का कारण बनी हुई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद अब तक सड़क मरम्मत का कार्य शुरू नहीं किया गया है।

चंडीघाट चौक से बैरागी कैंप जाने वाली सर्विस लेन सबसे अधिक खराब स्थिति में है। सड़क पर कई स्थानों पर गहरे गड्ढे बन गए हैं और डामर उखड़ने से पत्थर बाहर निकल आए हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार यहां कई दोपहिया चालक गड्ढों में फंसकर गिर चुके हैं और चोटिल भी हुए हैं। बरसात के दौरान इन गड्ढों में पानी भर जाने से खतरा और बढ़ जाता है। बैरागी कैंप से शंकराचार्य चौक की ओर जाने वाले मार्ग पर भी बड़े-बड़े गड्ढों के कारण वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

पर्यटकों को भा रही हर्षिल की हसीन वादियां

उत्तरकाशी(आरएनएस)। उत्तरकाशी का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल हर्षिल इन दिनों पर्यटकों से गुलजार है। मैदानी क्षेत्रों में पड़ रही भीषण गर्मी से बचने के लिए पर्यटक यहां बड़ी संख्या में उमड़ रहे है और उन्हें हर्षिल की हसीन वादियां भा रही है। विशेष रूप से सप्ताहांत पर देशी-विदेशी पर्यटकों के अच्छी तादात में पहुंचने से होटल व होमस्टे व्यवसायियों के चेहरे खिले हुए हैं। जिला मुख्यालय से करीब 80 किमी की दूरी पर स्थित हर्षिल उत्तरकाशी के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में से एक है। भागीरथी नदी के किनारे देवदार के पेड़ों के बीच सुंदर घाटी में बसे हर्षिल में वर्षभर पर्यटक पहुंचते हैं। यहां ग्रीष्मकाल में भी तापमान ज्यादा नहीं रहता हैदोपहर दो बजे बाद चलने वाली ठंडी हवाओं के झोंके पर्यटकों को ताजगी का अहसास कराते हैं। यही वजह है कि इनों जहां मैदानी क्षेत्रों में झुलसा देने वाली गर्मी पड़ रही है। वहीं, हर्षिल में अधिकतम तापमान 11 से 12 और न्यूनतम तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस बना हुआ है। इस कारण मैदानी क्षेत्रों में पड़ रही भीषण गर्मी से बचने के लिए भी बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंच रहे हैं। पर्यटन व्यवसायी सुंदर सिंह, दिनेश रावत, माधवेंद्र रावत, राजीव आदि ने बताया कि हर्षिल में सप्ताहांत पर दो से तीन हजार तक पर्यटक पहुंच रहे हैं।

सीएचसी चकराता में संसाधनों का अभाव पड़ रहा मरीजों पर भारी

विकासनगर(आरएनएस)। संसाधनों के अभाव में सीएचसी चकराता में लोगों को नाममात्र की स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। विशेषज्ञ चिकित्सकों और सुविधाओं का अभाव यहां मरीजों का दर्द और बढ़ा रहा है। हल्की-फुल्की खांसी-बुखार की बीमारी को छोड़कर लोगों को यहां उचित उपचार नहीं मिल पा रहा है। यहां सर्जन का पद सृजित है, लेकिन ऑपरेशन थिएटर की सुविधा नहीं है। इसके साथ ही अस्पताल में एक भी विशेषज्ञ चिकित्सक की तैनाती नहीं है। स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य मंत्री से सीएचसी में डॉक्टरों की संख्या बढ़ाने की मांग की है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हड्डी रोग, स्त्री रोग, बाल रोग विशेषज्ञ और सर्जन समेत चिकित्सकों के कुल नौ पद स्वीकृत हैं, लेकिन वर्तमान में छह एमओ और एक दंत रोग विशेषज्ञ ही तैनात है। अल्ट्रासांउड, पैथोलॉजी की सेवाएं मरीजों को नहीं मिल रही हैं। ग्रामीण जवाहर सिंह, प्रमोद रावत, सैन सिंह नेगी, तीर्थ कुकरेजा, मोनित दुसेजा आदि का कहना है कि यह सीएससी तो रेफरल सेंटर बनकर रह गया है।

पंतनगर में विकास को मिलेगी गति, गरीबों को नहीं उजड़ने देंगे: बेहड़

रुद्रपुर(आरएनएस)। । विधायक तिलकराज बेहड़ ने पंतनगर क्षेत्र में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में विकास कार्यों, मलिन बस्तियों के संरक्षण और कर्मचारियों के अधिकारों को लेकर सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि पंतनगर लंबे समय तक विकास से वंचित रहा, लेकिन अब क्षेत्र में तेजी से विकास कार्य कराए जा रहे हैं और जल्द करोड़ों रुपये की योजनाएं धरातल पर नजर आएंगी। बेहड़ ने कहा कि विश्वविद्यालय निर्माण के दौरान शहीद हुए मजदूरों की स्मृति में शहीद चौक का निर्माण कराया गया है। साथ ही श्मशान घाट तक सड़क का निर्माण पूरा हो चुका है और चार से पांच करोड़ रुपये की लागत से नई सड़कों का निर्माण प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि कोलतार की आपूर्ति शुरू होते ही कॉलोनियों, बाजारों और गलियों में सड़क निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पंतनगर की मलिन बस्तियों को हटाने की तैयारी कर रही है। संजय कॉलोनी, मस्जिद कॉलोनी, इंदिरा कॉलोनी, खुरपिया फार्म, गौरीकला, मोहन नगर, मोहन बोरिंग और चंदन नगर समेत कई क्षेत्रों के लोगों में बेदखली का डर बना हुआ है। उन्होंने सरकार से इन बस्तियों के निवासियों को मालिकाना हक देने और किसी भी गरीब परिवार को न हटाने की मांग की। विधायक ने कहा कि वह इस मुद्दे को कई बार विधानसभा में उठा चुके हैं और धरना-प्रदर्शन के माध्यम से भी सरकार का ध्यान आकर्षित किया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। उन्होंने मुख्यमंत्री से स्पष्ट घोषणा करने की मांग की कि पंतनगर की किसी भी मलिन बस्ती को नहीं हटाया जाएगा। इसके अलावा उन्होंने विश्वविद्यालय कर्मचारियों के वेतन में घोषित 44 रुपये प्रतिदिन की बढ़ी हुई राशि का लाभ दिलाने की मांग उठाई। सार्वजनिक शौचालयों की कमी का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने बताया कि अब तक नौ शौचालयों का निर्माण कराया जा चुका है और चार अन्य बनाए जाएंगे। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष प्रेम आर्य, पंचायत सदस्य राजेश प्रताप सिंह, किन्नू शुक्ला, जनार्दन सिंह, महेंद्र शर्मा, संतोष कुमार, जगदीश कुमार, मनोहर वाल्मीकि, हरीओम चौहान सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

इस बार 'हरेला' पर सजेगा धरा का श्रृंगार, दून में लगेंगे 15.50 लाख पौधे

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड रजत जयंती में इस वर्ष जिले में 15.50 लाख पौधे लगाने का विशाल लक्ष्य रखा गया है।

उत्तराखंड की गौरवशाली संस्कृति और प्रकृति के जुड़ाव का प्रतीक 'हरेला पर्व' इस वर्ष ऐतिहासिक होने जा रहा है। राज्य की रजत जयंती (25वें वर्ष) के उपलक्ष्य में आगामी 16 जुलाई से शुरू होने वाला यह लोक पर्व पूरे एक माह तक बेहद खास और यादगार अंदाज में मनाया जाएगा। इस बार दून जनपद में थीमैटिक (विषय-आधारित) तरीके से विशेष प्रजातियों के पौधे लगाकर ईको-टूरिज्म को एक नई ऊंचाई देने का संकल्प लिया गया है।

हरेला पर्व की भव्य तैयारियों को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान की अध्यक्षता में एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि इस वर्ष का महा-अभियान केवल रस्म अदायगी नहीं, बल्कि धरती को हरा-भरा बनाने का एक जन-आंदोलन बनेगा। जिलाधिकारी ने सभी सरकारी विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे अविलंब अपनी रोपण साइट्स का चयन कर लें। अभियान को पारदर्शी और सफल बनाने के लिए प्रत्येक विभाग में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा, जो 'माइक्रो लेवल प्रबंधन' के तहत कार्ययोजना तैयार करेगा। इस महा-अभियान में आम जनमानस के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों, युवाओं, महिला समूहों और स्थानीय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा देश के प्रतिष्ठित संस्थान जैसे आईएमए, सर्वे ऑफ इंडिया, ओएनजीसी और आईटीबीपी को भी इस अभियान से जोड़ा जाएगा ताकि जिले में क्षेत्र विशेष की मिट्टी के अनुकूल 'क्वालिटी फॉरेस्ट' (उच्च गुणवत्ता वाले वन) तैयार किए जा सकें। अभियान की सफलता केवल पौधे लगाने तक सीमित न रहे, इसके लिए एक अनूठी पहल की जा रही है। महीने भर चलने वाले इस रोपण अभियान की नियमित और कड़े स्तर पर मॉनिटरिंग करने के लिए एक विशेष 'हरित कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा।

बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी ने बताया कि इस वर्ष जिले में 15.50 लाख पौध लगाने का विशाल लक्ष्य रखा गया है। खास बात यह है कि लगाए जाने वाले पौधों में 50 प्रतिशत पौधे फलदार और चारा प्रजाति के होंगे। इन पौधों को सिर्फ लगाया ही नहीं जाएगा, बल्कि अगले 5 वर्षों तक इनके रखरखाव और सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी तय की जाएगी। सभी रेखीय विभागों को आगामी 10 जुलाई तक गड्ढों की खुदाई, जैविक खाद, ट्री-गार्ड और पौधों के परिवहन की सभी व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। वन विभाग के चार प्रभागों मसूरी, कालसी, चकराता और देहरादून के माध्यम से सभी विभागों को पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे।

इस उच्चस्तरीय बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, प्रभागीय वनाधिकारी नीरज कुमार शर्मा, वैभव सिंह, मयंक कुमार, एसडीओ अभिषेक मैठाणी सहित कृषि, उद्यान, उद्योग, शिक्षा, खेल, पेयजल और सड़क विभाग के तमाम आला अधिकारी उपस्थित रहे।

वक्त से पहले चुनावी मोड में दल...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

प्रभावी लड़ाई लड़ती है तो वह मुख्य दलों के वोट समीकरण को प्रभावित कर सकती है।

उत्तराखंड राज्य आंदोलन की अगुवाई करने वाली उत्तराखंड क्रांति दल के लिए 2027 का चुनाव अस्तित्व की लड़ाई बन गया है। यूकेडी एक बार फिर स्थानीय अस्मिता, मूल निवास, सशक्त भू-कानून, जल-जंगल-जमीन और उत्तराखंडियत के मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाने की तैयारी कर रही है। पार्टी का मानना है कि प्रदेश में क्षेत्रीय राजनीति की जरूरत आज भी बनी हुई है और राष्ट्रीय दल राज्य आंदोलन की मूल भावना को पूरा करने में असफल रहे हैं। लेकिन यूकेडी के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपना खोया जनाधार वापस हासिल करने और युवाओं को पार्टी से जोड़ने की है। यदि पार्टी इन मुद्दों को जन आंदोलन का रूप देने में सफल होती है तो कुछ क्षेत्रों में चुनावी समीकरण बदल सकते हैं। भले ही चुनाव की तारीखों की घोषणा में अभी समय हो, लेकिन उत्तराखंड में चुनावी माहौल बनना शुरू हो गया है। राजनीतिक दल बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, नए मतदाताओं को जोड़ने और जनता के बीच अपने मुद्दों को स्थापित करने में जुट गए हैं।

एक वायरल वीडियो ने उत्तराखंड की राजनीति में नई हलचल पैदा की!

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। पौड़ी जिले से सामने आए एक वायरल वीडियो ने उत्तराखंड की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। वीडियो में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लग रहे है। इस दौरान भाजपा विधायक दिलीप रावत भी मौके पर मौजूद दिखाई दे रहे हैं, जिसके बाद प्रदेश की सियासत गरमा गई है। सोशल मीडिया पर वीडियो के सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में इस बात को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं कि मुख्यमंत्री के खिलाफ नारेबाजी के दौरान विधायक की मौजूदगी क्या संकेत देती है। विपक्ष ने इसे भाजपा के भीतर बढ़ते असंतोष और गुटबाजी का प्रमाण बताते हुए सरकार और संगठन दोनों पर सवाल खड़े किए हैं।

भाजपा के लिए यह घटनाक्रम इसलिए भी असहज माना जा रहा है क्योंकि पार्टी वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी है। पार्टी लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की रणनीति पर काम कर रही है, लेकिन इस तरह की घटनाएं संगठन की एकजुटता पर सवाल खड़े कर रही हैं। पिछले कुछ समय से स्थानीय स्तर पर कई मुद्दों को लेकर कार्यकर्ताओं और नेताओं में

नाराजगी की चर्चाएं रही हैं। अब मुख्यमंत्री के खिलाफ नारेबाजी का वीडियो सामने आने के बाद इन चर्चाओं को और बल मिला है। वायरल वीडियो में भाजपा

◆बगल में विधायक, सामने सीएम विरोधी नारे, उत्तराखंड भाजपा में यह मौन समर्थन है या खुली बगावत

◆वायरल वीडियो में भाजपा विधायक दिलीप रावत की मौजूदगी से सियासी चर्चाएं तेज, विपक्ष ने उठाए सवाल

विधायक दिलीप रावत की मौजूदगी को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। विपक्ष सवाल उठा रहा है कि मुख्यमंत्री के खिलाफ नारे लगने के दौरान विधायक ने तत्काल आपत्ति क्यों नहीं जताई। हालांकि विधायक की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने इस घटनाक्रम को भाजपा की अंदरूनी खींचतान का नतीजा बताया है। विपक्ष का कहना है कि यदि मुख्यमंत्री के खिलाफ असंतोष उनकी अपनी पार्टी के बीच से सामने आ रहा है, तो यह सरकार के लिए चिंता का विषय है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भाजपा नेतृत्व के सामने अब दोहरी चुनौती हैकृएक ओर विपक्ष के हमलों का जवाब देना और दूसरी ओर संगठन के भीतर उठ रहे असंतोष को समय रहते शांत करना। यदि इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं लिया गया तो आने वाले दिनों में यह मामला और तूल पकड़ सकता है।

नैनीझील में मिली एक और लाश

हमारे संवाददाता

नैनीताल। नैनीझील से चार दिनों में तीन शव निकलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। सुबह सवेरे प्रकाश का शव झील में उतराता देख राहगीरों ने पुलिस को सूचित किया। जिन्होने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

नैनीताल की विश्व प्रसिद्ध नैनीझील इन दिनों लाशों के निकलने के कारण चर्चाओं में है। बीते शुक्रवार को 45 वर्षीय मनीष साह का शव झील के पाषाण देवी मंदिर क्षेत्र की झील से बरामद हुआ था। जबकि अगले दिन शनिवार को ऑल सेंटस कॉलेज के 48

वर्षीय सफाई कर्मचारी महिंद्र चौहान का शव एन.सी.सी.ट्रेनिंग सेंटर के समीप झील

◆बीते चार दिनों में 3 शव मिलने से सनसनी

में उतराता मिला था। सोमवार को भी नशे में चूर नेपाली युवक लोकेश ने झील में कूदकर अपनी जिंदगी समाप्त करने का प्रयास किया था, जिसे शहर के एक युवक ने झील से निकालकर नाकाम कर दिया।

आज राहगीरों की सूचना के बाद तल्लीताल पुलिस मौके पर पहुंची और शव को झील से बाहर निकाला। बताया जा रहा है कि शव सैट नंबर नोवासी 28 वर्षीय प्रकाश का है जिसकी बीते दिनों गुमशुदगी लिखी गई थी। शव मिलने की जगह से एक बैग लावारिस स्थिति में मिला था जिसमें एक चार्जर, बच्चे की दूध की बोतल, महिला के चप्पल और एक शराब की छोटी बोतल मिली थी। बहरहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मारपीट कर दी जान से मारने की धमकी, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चमन बिहार निवासी प्रियांश जैन ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 28 जून को वह एम.जे. टॉवर स्थित रेस्टोरेंट गया था। जब वह अपनी गाड़ी लेने के लिए बेसमेंट में पहुँचा, तब वहाँ आसिफ बाबा, आशीष बजरंगी, जाबिर भाटी तथा अन्य सहित लगभग 5-6 अन्य अज्ञात युवक मौजूद थे। उक्त सभी लोग शराब के नशे में थे तथा जोर-जोर से गाली-गलौज कर रहे थे। जब वह अपनी गाड़ी की ओर जाने के लिए वहाँ से गुजरा, तभी आसिफ बाबा, आशीष बजरंगी, कार्तिक बजरंगी एवं जाबिर भाटी व अन्य 5-6 लोगो ने बिना किसी कारण के उसपर शराब के नशे में हमला कर दिया। इनके साथ मौजूद अन्य अज्ञात व्यक्तियों, जिन्हें वह नाम से नहीं जानता परंतु सामने आने पर पहचान सकता है, ने भी मिलकर उसको थप्पड़, लात एवं घूंसों से मारा व उसके सिर पर लोहे की डंडे से वार किया।

इसी दौरान एक स्कूटी से दो अन्य लोग वहा आये फिर इसके बाद सभी आरोपियों ने मिलकर उसपर धारदार हथियार से हमला कर उसको जमीन पर गिरा दिया तथा उसके सिर, चेहरे एवं नाक पर जूतों और मुक्कों व लोहे के डण्डो से लगातार प्रहार किया, जिससे उसकी नाक से अत्यधिक रक्तस्राव होने लगा। वह लगातार उनसे पूछता रहा कि उसकी क्या गलती है और वे उसको क्यों मार रहे हैं, लेकिन उन्होंने उसकी एक नहीं सुनी। इसके बाद कार्तिक बजरंगी एवं आसिफ बाबा ने उसको धमकी देते हुए कहा कि वह 2 नंबर का असला रखते हैं, उसको जान से मार देंगे। यह तो सिर्फ ट्रेलर दिखाया है। इसके साथ ही उन्होंने उसको माँ-बहन की अश्लील गालियाँ भी दी जिससे उसके मान सम्मान को ठेस पहुंची है। उक्त लोगो ने उसको अधमरा कर उसपर हमला कर उसको बुरी तरह से मारा जिससे उसके कान से सुनाई बहुत कम दे रहा है तथा कान में लगातार सन्न-सन्न/गूंजने जैसी आवाज आ रही है व उसकी कान की जाली फट गयी है। वह इस घटना से अत्यंत भयभीत हो गया। वहं किसी प्रकार अपनी जान बचाकर वहाँ से भागा। उक्त लोग आपराधिक प्रवृत्ति है तथा उक्त लोगों के विरुद्ध कई संगीन धाराओ मे मुकदमें दर्ज है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सार्वजनिक स्थानों पर हुड़दंग करने वाले 6 हुड़दंगी गिरफ्तार!

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर हुडदंग करने वाले छह हुडर्दगियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।

मिली जानकारी के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा वर्तमान में प्रचलित आपरेशन प्रहार के अन्तर्गत सभी अधीनस्थों को अपने-अपने क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर हुड़दंग करने/लडाई झगडा कर शांति व्यवस्था प्रभावित करने वालों को चिन्हित करते हुए उनके विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। दिये गये निर्देशों के अनुपालन में जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमों द्वारा लगातार प्रभावी गश्त/चौकिंग अभियान चलाते हुए ऐसे अभियुक्तों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

कोतवाली मसूरी पुलिस कंट्रोल रूम 112 के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि बाटा शोरूम के पास कुछ व्यक्तियो द्वारा सार्वजनिक स्थान पर अभद्र व्यवहार करते हुए लड़ाई-झगड़ा कर लोक शांति एवं कानून-व्यवस्था भंग की जा रही है। उक्त सूचना पर तत्काल पुलिस बल मौके पर पहुचा, मौके पर पाया गया कि कुछ व्यक्तियों द्वारा आपस में मारपीट एवं विवाद किया जा रहा था, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया तथा लोक शांति भंग होने की स्थिति पैदा हो गई।

पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर उपद्रव कर रहे एक व्यक्ति नीरज राघव पुत्र रामनाथ सिंह को हिरासत में लेते हुये नियमानुसार चिकित्सीय परीक्षण कराए जाने के उपरांत लोक व्यवस्था एवं शांति बनाए रखने के दृष्टिगत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 170 के तहत गिरफ्तार किया गया, साथ ही युवक के वाहन को मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज किया गया।

पूछताछ में उसने अपना नाम नीरज राघव पुत्र रामनाथ सिंह, निवासी बड़ा गाँव सिकंदरपुर, तहसील मानेसर, सेक्टर-86, गुरुग्राम, हरियाणा बताया। वहीं ऋषिकेश क्षेत्रान्तर्गत हाट बाजार आईडीपीएल में दुकान लगाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद व मारपीट की सूचना प्राप्त होने पर ऋषिकेश पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर शांति व्यवस्था को भंग करने का प्रयास कर रहे 5 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में उन्होंने अपने नामरवि पुत्र सोहन लाल निवासी गली न. 17 अमित ग्राम गुमानीवाला ऋषिकेश, आशु पुत्र सोहन लाल निवासी उपरोक्त,. अरुण पुत्र स्व0 नन्हे सिंह निवासी गली न. 07 अपरगंगा नगर ऋषिकेश अंकित पुत्र ओम प्रकाश निवासी गली न0 01 बापुग्राम आईडीपीएल ऋषिकेश, साहिल पुत्र ओम प्रकाश निवासी गली न0 01 बापुग्राम आईडीपीएल ऋषिकेश बताया। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

फिल्म जगत में चमकेंगे उत्तराखंड के युवा!

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड फिल्म नीति 2024 के लाभ, उत्तराखंड के युवाओं को प्रत्यक्ष तौर पर मिलने शुरु हो गए हैं। इसी क्रम में उत्तराखंड फिल्म विकास परिषद ने फिल्म एंड टेलीविजन संस्थान, पूणे (एफटीआईआई) से पासआउट तीन युवाओं की छात्रवृत्ति का भुगतान कर दिया है।

उत्तराखंड फिल्म नीति 2024 के तहत फिल्म एंड टेलीविजन संस्थान, पूणे, सत्यजीत-रे फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान, कोलकाता या अन्य ख्याति प्राप्त संस्थानों में प्रवेश लेने वाले उत्तराखंड राज्य के स्थाई निवासी छात्र-छात्राओं को मैरिट के आधार पर पाठ्यक्रम पूर्ण होने तथा प्रमाण पत्र प्राप्त करने के उपरांत छात्रवृत्ति प्रदान किए जाने का प्राविधान है। इसके तहत पाठ्यक्रम पर हुए व्यय के अनुसार एसटी,एससी, ओबीसी को 75 प्रतिशत एवं सामान्य अभ्यर्थियों को 50 प्रतिशत की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

◆उत्तराखंड फिल्म नीति के तहत एफटीआईआई से पासआउट युवाओं को मिली छात्रवृत्ति

उत्तराखंड फिल्म विकास परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, बंशीधर तिवारी ने बताया कि इसी नीति के क्रम में ग्राम पोस्ट उखीमठ, रुद्रप्रयाग निवासी प्रवीण सेमवाल को एक वर्षीय स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट कोर्स के लिए कुल 65,682 रुपए की छात्रवृत्ति का भुगतान किया गया है। इसी तरह ग्राम, हरनी (मुंदोली) चमोली निवासी कविता को दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा कोर्स के लिए कुल 1,27,619 रुपए और तल्लीताल, नैनीताल निवासी देवेश भट्ट को तीन वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा के लिए कुल 1,38,990 रुपए की छात्रवृत्ति का भुगतान किया गया है। उक्त तीनों ने भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान पुणे से पढ़ाई पूरी की है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड के युवा रचनात्मक प्रतिभा की धनी हैं। राज्य सरकार का प्रयास है कि उन्हें अपनी प्रतिभा को निखारने और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध हों। उत्तराखंड फिल्म नीति 2024 इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। फिल्म जगत में शिक्षा प्राप्त करने वाले राज्य के युवाओं को छात्रवृत्ति प्रदान कर सरकार उनके सपनों को नई उड़ान देने का कार्य कर रही है।

बस की टक्कर से मोटरसाईकिल सवार की मौत, एक घायल

हमारे संवाददाता

टिहरी। सड़क दुर्घटना में आज सुबह बस व बाइक की आमने-सामने हुई भिंड़त के बाद जहां एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गयी वहीं दूसरा व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस मृतक व घायल की पहचान में जुटी हुई है।जानकारी के अनुसार आज सुबह समय 9.05 पर कर्णप्रयाग जा रही बस संख्या यूके 11 पीए 0316 एवं मोटर साइकिल संख्या यूके12 जी-1916 की एनएच 07 पर मूल्यागांव के समीप जबरदस्त भिड़ंत होने पर मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई एवं एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे तहसील प्रशासन द्वारा राजकीय वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बागी देवप्रयाग पहुंचाया गया।

सेल्स मैनेजर ने गबन किये 15 लाख की शराब व नगदी !

संवाददाता

देहरादून। डिपार्टमेन्टल स्टोर के सेल्स मैनेजर ने 15 लाख रूपये की शराब व नगदी का गबन कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रेसकोर्स निवासी विनोद कर्णवाल ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनकी कम्पनी का अंग्रेजी शराब का डिपार्टमेन्टल स्टोर पथरीबाग देहरादून में संचालित है। उक्त स्टोर पर प्रवीण उनियाल निवासी बैटोला चाका नरेन्द्रनगर जिला टिहरी गढवाल सेल्स मैनेजर के रुप मे विगत तीन वर्षों से कार्यरत है।

प्रवीण उनियाल के द्वारा पिछले वर्ष उनके गढी कैन्ट स्थित डिपार्टमेन्टल स्टोर

पर करीब 548180 रुपये का स्टाक एवं धनराशि में गबन किया था। पकडे जाने पर काफी मिन्नत करने पर व माफी माँगकर व अपनी गलती लिखित में स्वीकार कर धनराशि जमा कराने का आश्वासन दिया इसके बाद उस पर विश्वास कर पथरीबाग डिपार्टमेन्टल स्टोर पर भेज दिया गया।

कल 30 मई दिन शनिवार करीब 2 बजे बिना किसी सूचना के प्रवीण उनियाल डिपार्टमेन्टल से चला गया शाम तक अनेको बार उनके द्वारा फोन मिलाया गया लेकिन प्रवीण उनियाल ने फोन नही उठाया शक होने पर रविवार को सुबह 9 बजे से रात करीब 10 बजे तक डिपार्टमेन्टल के स्टाक एवं बिक्री की धनराशि का मिलान कराया जिसमें 882010 रुपये का शराब व बियर का स्टाक कम पाया गया एवं 30 मई 26 की दुकान की बिक्री का पैसा करीब 70000 रुपया भी कम पाया गया कुल मिलाकर 1500190 रुपये शराब का डिपार्टमेन्टल स्टोर मे कमी पायी गयी जो कि प्रवीन उनियाल द्वारा जानबूझ कर गबन कर बिना बताऐ फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

4 जुलाई से फिर शुरु होगा 'जन जन की सरकार-जन जन के द्वार' कार्यकम

संवाददाता

देहरादून। जन समस्याओं के निराकरण के लिए गत वर्ष चलाए गए 'जन जन की सरकार-जन जन के द्वार' कार्यक्रम की सफलता को देखते हुए, प्रदेश सरकार एक बार फिर जनता के द्वार पहुंच रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 4 जुलाई से 15 दिन का इस विशेष अभियान संचालित करने के निर्देश दिए हैं। इसमें जिला, ब्लॉक और तहसील स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें संबंधित विभागों अधिकारी-कर्मचारी शामिल होकर, जन समस्याओं का निराकरण करेंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि लोगों को

◆मुख्यमंत्री के निर्देश पर चलेगा 15 दिन का विशेष अभियान

जन समस्याओं के समाधान के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़े, बल्कि विभाग अधिकारी कर्मचारी खुद लोगों के पास पहुंच शिकायतों का निस्तारण करें। मुख्यमंत्री की इसी सोच को केंद्र में रखते हुए प्रदेश सरकार ने गत दिसंबर माह से 45 दिन का 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान शुरु किया था। अब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कार्यकाल के सफल पांच वर्ष पूरे होने के अवसर पर एक बार फिर ये अभियान शुरु होने जा रहा है। इस बार 4 जुलाई से मनाए जा रहे सेवा पखवाड़ा (15 दिवस) के तहत यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसके तहत जिला, ब्लॉक और तहसील स्तर पर शिविर आयोजित करते हुए, जन समस्याओं का निराकरण किया जाएगा, साथ ही लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ भी दिया जाएगा। दिसंबर माह में शुरु किए गए 45 दिन के 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान के तहत 681 शिविरों का आयोजन किया गया, जिसमें 5,33,452 नागरिकों ने प्रत्यक्ष तौर पर भागीदारी निभाई, यही नहीं इस दौरान करीब 33 हजार जन शिकायतों का त्वरित समाधान किया गया। इस अभियान को गवर्नेंस की बेस्ट प्रैक्टिस के रूप भी सराहा गया। लोगों को बिना किसी भागदौड़ के सरकारी सेवाएं मिली, यही सुशासन की पहली सीढ़ी है। इसी क्रम में सभी जनपदों में 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान का दूसरा चरण शुरु किया जा रहा है। इसमें सभी सक्षम अधिकारियों, कर्मचारियों को उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।